

(लूका 10:6)

Capo fret 2

C D F G C D G A

'याह का व - चन सुन ले ज - हाँ त - माम!' हु - कुम यी -
लाख चा - हैं तो भी वक्त रु - के न - हीं, रु - कें हम

Am Bm F G

शु का था, उस - ने दि - लो - जाँ से कि - या वो काम।
भी भ - ला कै - से स - भी की जा - नें हैं कीम - ती।

C D F G C D G A

प्यार वो कर - ता था याह की भे - डों से, सु - बह से
प्यार कह - ता है फिर उन - से जा - के मिल, ल - गा मर -

Am Bm Dm Em F G Dm F G

शाम उन् - हें हूँ - ढा दर - ब - दर चल के। हम भी ख - बर दे -
हम, पा - एँ चैन वो, जा - एँ फिर से खिल। मि - ले जब भी नेक -

G A C D F G C D G A Am Bm

ते य - हाँ, छट जा - ए - गी गम की घ - टा, बर -
दिल को - ई, भर जा - ती है दिल में खु - शी, ऐ -

Dm7 Em7 F G A Am Bm Dm Em G A

सा - ए - गा जल्द हम पे बर - क्र - तें याह।
सी खु - शी पा - ने को हम हैं बे - ताब।

कोरस C D G A C D F G

खो - जें उन् - हें जो सच की राह पे चल - ना चा - हैं।

C D G A C D F G

शां - ति - प - संद, जो याह से रिश् - ता जोड़ - ना चा - हैं।

C D G A C D F G

को - ई क - सर ना छो - डें हम।